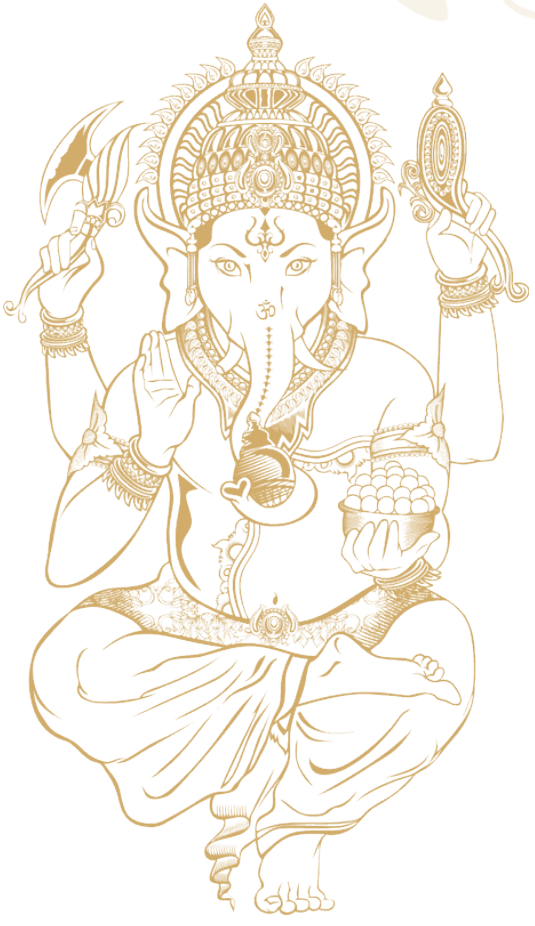

Deep

15 Jun 2006

02:15 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121102103

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14-15/06/2006**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**02:15:00 घंटे**
इष्ट	52:05:32 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:59:16 घंटे
वेलान्तर	-00:00:11 घंटे
साम्पातिक काल	19:31:17 घंटे
सूर्योदय	05:24:47 घंटे
सूर्यास्त	19:07:09 घंटे
दिनमान	13:42:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	29:42:04 वृष
लग्न के अंश	06:38:03 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ऐन्द्र
करण	बव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिलावन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	06:38:03	460:58:42	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
सूर्य			वृष	29:42:04	00:57:18	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मक	10:19:34	14:13:37	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	सम राशि
मंगल			कर्क	12:45:28	00:36:25	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	नीच राशि
बुध			मिथु	23:38:26	01:16:26	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	स्वराशि
गुरु	व		तुला	15:43:07	00:03:47	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	25:12:51	01:10:48	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			कर्क	14:27:38	00:06:12	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	06:23:21	00:07:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	06:23:21	00:07:03	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	20:46:26	00:00:13	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	25:43:37	00:00:43	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	01:31:35	00:01:34	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	27:09:48	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:50

लग्न-चलित

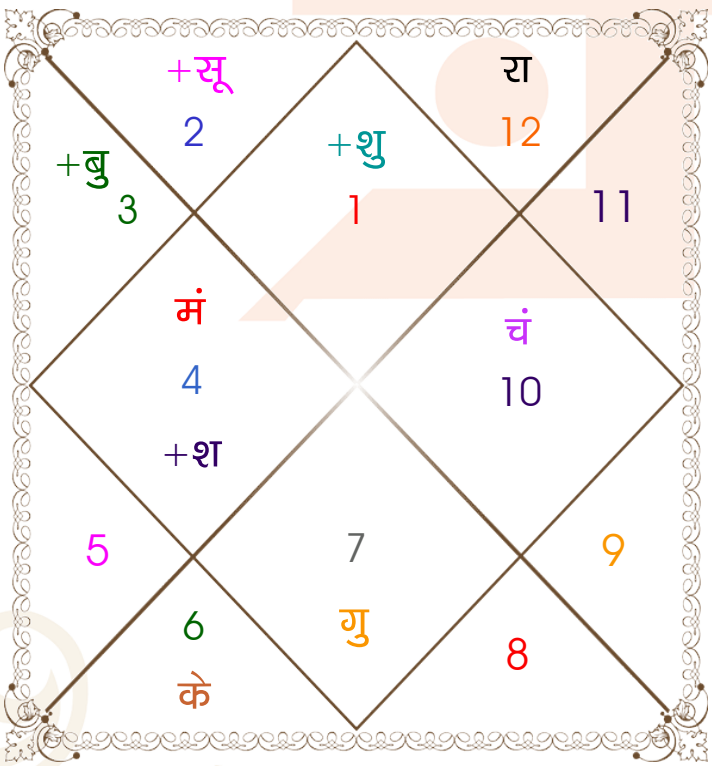

चन्द्र कुंडली

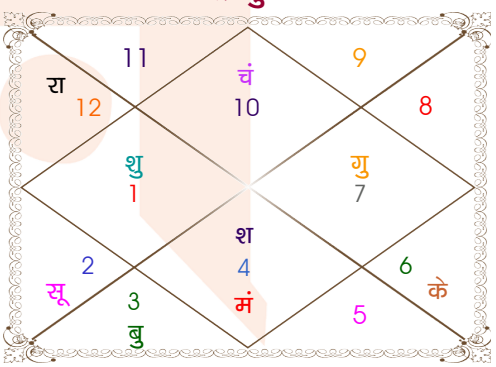

नवमांश कुंडली

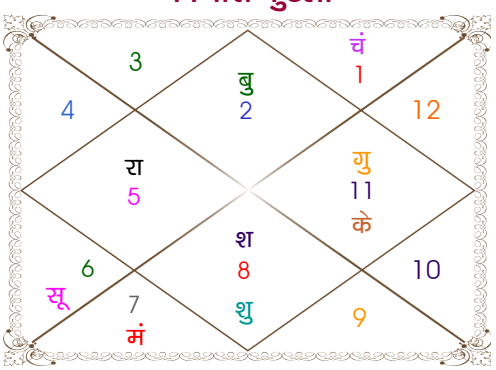

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 9 मास 2 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/06/2006		17/03/2016		18/03/2023		17/03/2041		17/03/2057	
17/03/2016		18/03/2023		17/03/2041		17/03/2057		17/03/2076	
चंद्र	16/01/2007	मंगल	13/08/2016	राहु	28/11/2025	गुरु	05/05/2043	शनि	20/03/2060
मंगल	17/08/2007	राहु	31/08/2017	गुरु	22/04/2028	शनि	16/11/2045	बुध	28/11/2062
राहु	15/02/2009	गुरु	07/08/2018	शनि	27/02/2031	बुध	21/02/2048	केतु	07/01/2064
गुरु	17/06/2010	शनि	16/09/2019	बुध	16/09/2033	केतु	27/01/2049	शुक्र	08/03/2067
शनि	16/01/2012	बुध	12/09/2020	केतु	04/10/2034	शुक्र	28/09/2051	सूर्य	18/02/2068
बुध	16/06/2013	केतु	09/02/2021	शुक्र	04/10/2037	सूर्य	17/07/2052	चंद्र	19/09/2069
केतु	15/01/2014	शुक्र	11/04/2022	सूर्य	29/08/2038	चंद्र	16/11/2053	मंगल	29/10/2070
शुक्र	16/09/2015	सूर्य	16/08/2022	चंद्र	28/02/2040	मंगल	22/10/2054	राहु	03/09/2073
सूर्य	17/03/2016	चंद्र	18/03/2023	मंगल	17/03/2041	राहु	17/03/2057	गुरु	17/03/2076

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
17/03/2076		17/03/2093		18/03/2100		18/03/2120		18/03/2126	
17/03/2093		18/03/2100		18/03/2120		18/03/2126		00/00/0000	
बुध	13/08/2078	केतु	13/08/2093	शुक्र	18/07/2103	सूर्य	05/07/2120	चंद्र	16/06/2126
केतु	11/08/2079	शुक्र	13/10/2094	सूर्य	18/07/2104	चंद्र	04/01/2121		00/00/0000
शुक्र	11/06/2082	सूर्य	18/02/2095	चंद्र	18/03/2106	मंगल	12/05/2121		00/00/0000
सूर्य	17/04/2083	चंद्र	19/09/2095	मंगल	18/05/2107	राहु	06/04/2122		00/00/0000
चंद्र	15/09/2084	मंगल	15/02/2096	राहु	18/05/2110	गुरु	23/01/2123		00/00/0000
मंगल	13/09/2085	राहु	05/03/2097	गुरु	16/01/2113	शनि	05/01/2124		00/00/0000
राहु	01/04/2088	गुरु	09/02/2098	शनि	18/03/2116	बुध	10/11/2124		00/00/0000
गुरु	08/07/2090	शनि	21/03/2099	बुध	17/01/2119	केतु	18/03/2125		00/00/0000
शनि	17/03/2093	बुध	18/03/2100	केतु	18/03/2120	शुक्र	18/03/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 9 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।